卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: ❀ आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ❀ वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 78 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦24 दिसम्बर 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

धामी कैबिनेट ने लिये अहम फैसले

शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों के लिए नए निर्णय,कलाकारों की पेंशन दोगुनी

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड कैबिनेट की आज हुई बैठक में कुल 11 प्रस्तावों पर निर्णय लिया गया। इस दौरान उपनल कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिलने का मामला मंत्रिमंडल की उपसमिति को सौंप दिया गया है। वित्त विभाग के तहत नेचुरल गैस पर वैट की दर को 20% से घटाकर 5% करने पर मंजूरी दी गई। कृषि विभाग ने धराली व आसपास के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में रॉयल डिलिशियस सेब का मूल्य 51 रुपये प्रति किलो और रेड डिलिशियस सेब का मूल्य 45 रुपये प्रति किलो निधरित किया। संस्कृति विभाग ने कलाकारों और लेखकों की मासिक पेंशन को 3000 रुपये से बढ़ाकर 6000 रुपये करने का निर्णय लिया। आवास क्षेत्र में 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' के तहत केंद्र के निर्देशों के अनुरूप निम्न जोखिम वाले भवन या छोटे व्यावसायिक भवनों के नक्शे एम्पनल्ड आर्किटेक्ट द्वारा पास कराने की व्यवस्था को मंजूरी मिली। औद्योगिक विकास के अंतर्गत एमएसएमई यूनिट और इंडस्ट्री यूनिट की ग्राउंड कवरेज बढ़ाई गई। बांस एवं रेशा विकास परिषद में तकनीकी प्रकृति के स्टाफ को उपनल के बजाय आउटसोर्सिंग के माध्यम से रखने और 13 पदों को कॉन्ट्रैक्ट या आउटसोर्सिंग के तहत भरने का निर्णय लिया गया। आयुष्मान और अटल आयुष्मान योजनाओं को 100% इंश्योरेंस मोड में संचालित करने और गोल्डन कार्ड को हाइब्रिड मोड में चलाने का निर्णय लिया गया है। पांच लाख रुपये तक के क्लेम इंश्योरेंस से और इसके ऊपर के क्लेम ट्रस्ट मोड से निपटाए जाएंगे। महंगाई दर के अनुसार कर्मचारियों से लिया जाने वाला अंशदान 250 (शेष पृष्ठ सात पर)

सीएम ने उत्तराखण्ड के गांधी को किया नमन

देहरादून (उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के गांधी के नाम से विख्यात, महान राज्य आंदोलनकारी श्री इंद्रमणि बडोनी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री बडोनी के राज्य निर्माण आंदोलन में दिए गए अमूल्य योगदान को भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, त्याग और जनसेवा को समर्पित रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंद्रमणि बडोनी ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन को दिशा और जनशक्ति प्रदान की। उनके विचार, संकल्प और राज्य हित के प्रति निस्वार्थ सेवा भाव आज भी हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उनके आदर्शों पर चलते हुए उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए सतत कार्य कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म,केस दर्ज

किच्छा(उद संवाददाता)। थाना पुलभट्टा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भंगा की एक महिला द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने गंभीर आरोपों के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला ने आरोप लगाया है कि 21 मई 2025 को उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के ग्राम डकरी निवासी मनोज राघव ने उसकी नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी।महिला की तहरीर में बताया गया है कि घटना के समय उसकी पुत्री नाबालिग थी और आरोपी ने उसकी उम्र का लाभ उठाकर आपराधिक कृत्य किया। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद पीड़िता मानसिक रूप से भयभीत है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।थाना पुलभट्टा पुलिस ने मामला दर्ज किया जिसमें पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 भी जोड़ी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामला गंभीर प्रकृति का है और इसे प्राथमिकता के आधार पर लिया गया है। पीड़िता का बयान दर्ज किया जा रहा है, साथ ही मेडिकल परीक्षण और अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। आरोपी की तलाश और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है।

अंकिता भंडारी मामले को लेकर सरकार के खिलाफ गरजे कांग्रेसी

रुद्रपुर/रामनगर। अंकिता भंडारी हत्याकाण्ड में नया मामला सामने आने के बाद कांग्रेसियों ने बुधवार को डीडी चौक पर प्रदर्शन करते हुए सरकार का पुतला दहन किया। इससे पहले बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने श्रीमती मीना शर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष हिमांशु गावा और महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ममता रानी के नेतृत्व में डीडी चौक पर एकत्र हुए और नारेबाजी के बीच सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड के नए मामले ने भाजपा सरकार को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि जिस वीआईपी को बचाने में सरकार लगी थी, अब किसी भी सूरत में उसे बचाना संभव नहीं है।कांग्रेसियों ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड (शेष पृष्ठ सात पर)

वन ग्रामों को प्राथमिकता से बनाया जायेगा राजस्व ग्राम: बलूनी

रामनगर(उद संवाददाता)। पौड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनिल बलूनी का रामनगर में विधायक दीवान सिंह बिष्ट एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। सांसद ने मीडिया से रूबरू होते हुए वन ग्रामों, खत्तों में रहने वाले लोगों की समस्याओं और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि रामनगर और आसपास के वन ग्रामों में रहने वाले लोगों की समस्याओं को लेकर उन्होंने भारत सरकार और उत्तराखंड के मुख्य सचिव से पहले ही बातचीत की है। इसी क्रम में उन्होंने जिलाधिकारी से भी चर्चा की और उन्हें निर्देश दिए कि जल्द से जल्द वन ग्रामों की सूची तैयार की जाए। इस सूची में यह स्पष्ट किया जाएगा कि कौन-कौन से ग्राम राजस्व ग्राम में परिवर्तित किए जा सकते हैं और किन ग्रामों में कानूनी या अन्य अड़चनें हैं। सांसद ने यह भी कहा कि खत्तों में रहने वाले लोगों को मूलभूत नागरिक सुविधाएं मिलना उनका अधिकार है। इन क्षेत्रों में लोग लंबे समय से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं की कमी का सामना (शेष पृष्ठ सात पर)

घर में घुसे तीन भालू, एक पिंजरे में हुआ कैद

उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के मल्ला गांव में डांग तोक क्षेत्र में एक भालू पिंजरे में कैद हो गया। भालू के पिंजरे में कैद होने का पूरा दृश्य सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया, जिससे क्षेत्रवासियों और वन विभाग को कुछ हद तक राहत मिली। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले मल्ला गांव में जंगल से निकलकर एक भालू अपने दो बच्चों के साथ घर में घुस गया था। सीसीटीवी में देखा गया कि भालू अपने बच्चों के साथ घर में प्रवेश कर भोजन तलाश रहे थे। दोनों छोटे भालू आपस में लड़ते दिखाई दिए, जिसे उनकी मां भालू अलग करती रही। काफी देर तक भालू और उसके बच्चे घर में ही चहल-कदमी करते रहे। मंगलवार रात को डांग तोक के एक घर के आंगन में तीन भालू मस्ती करते दिखाई दिए। इसी दौरान वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक भालू कैद हो गया। वीडियो में देखा गया कि दूसरा भालू भी पिंजरे में प्रवेश करता है, लेकिन पिंजरे का गेट समय पर बंद नहीं हो पाया। जैसे ही पहला भालू बाहर (शेष पृष्ठ सात पर)

'सीएम धामी ने रुद्रपुर को फिर दी 'बड़ी सौगात'

रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 300 बेड के हॉस्पिटल और 100 एमबीबीएस सीटों को मिली सरकार से मंजूरी, शहर में शीघ्र ही खुलेंगे उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा के नए दरवाजे

-अर्श-

देहरादून/ रुद्रपुर। राज्य की पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने तराई की सबसे प्रमुख औद्योगिक नगरी रुद्रपुर को फिर से एक बड़ी सौगात दी है । उल्लेखनीय है कि सूबे के मुख्यमंत्री उत्तराखंड में एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज मिशन पर बड़ी तेजी से काम कर रहे हैं। इसी क्रम में धामी सरकार ने पंडित राम सुमेर शुक्ला राजकीय मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर को 300 बेड के हॉस्पिटल और 100 एमबीबीएस सीटों की मंजूरी दे दी है। सीएम धामी का मानना है कि राजकीय मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और रोजगार-तीनों क्षेत्रों में उत्तराखंड को एक मजबूत आधार प्रदान करेगा और प्रदेश के समग्र विकास में निर्णायक भूमिका निभाएगा। रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज का 300 बेड चिकित्सालय के शुरू होने से तराई क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तो होगा ही साथ ही मरीजों को जांच, उपचार और देखभाल की बेहतर सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी, जिससे इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा जनता को भरोसेमंद और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं मिल पायेंगी। इस मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से तराई-भाबर क्षेत्र के साथ-साथ सीमांत और पर्वतीय क्षेत्रों के लाखों लोगों को सुलभ, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। ये संस्थान न केवल बेहतर उपचार सुविधाओं का केंद्र बनेगा, बल्कि चिकित्सा शिक्षा, जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों, आपदा प्रबंधन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी कारगर साबित होगा । राजकीय मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर में 24घंटे आपातकालीन (शेष पृष्ठ सात पर)

मुख्यमंत्री धामी ने केआरसी पहुंचकर सैनिकों एवं अग्निवीरों के साथ संवाद कर किया उत्साहवर्धन

रानीखेत (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुमाऊं रेजीमेंट केंद्र, रानीखेत पहुंचकर अमर बलिदानियों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सैनिकों एवं अग्निवीरों के साथ संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने केंद्र में प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं, आधुनिक हथियारों एवं वीर नारियों के कल्याण की गतिविधियों का अवलोकन भी किया। कुमाऊं रेजीमेंट मुख्यालय के अपने भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों के परिवारजनों से भी भेंट की। सैनिकों एवं अग्निवीरों के संवाद के दौरान मुख्यमंत्री के कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारतीय सेना पहले से अधिक सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बनी है। आज हमारी सेना दुश्मनों की गोलियों का जवाब गोलों से देकर देश की सीमाओं की मजबूती से रक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों तथा अमर बलिदानियों के आश्रितों के सम्मान और कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेंशन एवं आर्थिक सहायता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि वीर परिवारों को हर स्तर पर सम्मान, सुरक्षा और संबल मिल सके।

बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री ने मुख्यसेवक के स्टाल पर बैठकर सुनी लोगों की समस्याएं

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। प्रशासन गाँव की ओर अभियान के अंतर्गत विकासखंड ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री ने स्वयं प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिविर में लगाए गए सभी विभागों के स्टालों का एक-एक कर निरीक्षण किया तथा मुख्यसेवक के स्टाल पर बैठकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री ने शिविर में उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए प्राप्त शिकायतों पर एक-एक कर चर्चा की और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं आमजन को उनके द्वार पर उपलब्ध हों, ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से दौड़-भाग न करनी पड़े। अधिकारी स्वयं गांव में आकर जनता के कार्य करेंगे और उनकी परेशानियों का समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी विभाग एक ही मंच पर जनता के द्वार पर उपस्थित हैं और आमजन को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। यह कार्यक्रम विशेष रूप से जनता की सुविधा के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के दौरान पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज जैनोली के जर्जर भवन को लेकर प्राप्त शिकायत पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन गाँव की ओर अभियान शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिससे जनसमस्याओं का समाधान त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी रूप से किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विधायक रानीखेत प्रमोद नैनवाल, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा, जॉइंट मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया नाबार्ड के राज्य फोकस पेपर 2026-27 का विमोचन

देहरादून (उद संवाददाता)।नाबार्ड व राज्य सरकार द्वारा देहरादून में आयोजित सहकारिता मेला 2025 के दौरान उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नाबार्ड द्वारा तैयार राज्य फोकस पेपर 2026-27 का विमोचन किया। इस अवसर पर माननीय सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत, नरेश बंसल, राज्य सभा सांसद, खजान दास, विधायक, राजपुर, सौरभ थपलियाल, महापौर, नगर निगम, देहरादून, श्री मेहरबान सिंह बिष्ट, निबंधक, सहकारी समितियां, उत्तराखंड, पंकज यादव, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड, आदि उपस्थित थे। यह दस्तावेज राज्य के प्राथमिकता क्षेत्रों के लिए ऋण क्षमता का व्यापक आकलन प्रस्तुत करता है, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 65,916 करोड़ अनुमानित है, जो की पिछले वर्ष की तुलना में 20.50 प्रतिशत अधिक है । जिला स्तर पर तैयार पोटेंशियल लिंक्ड क्रेडिट प्लान के आधार पर तैयार यह दस्तावेज संतुलित कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए एक रोडमैप है, जिसमें कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, बुनियादी ढांचा और जलवायु परिवर्तन पहलों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। नाबार्ड ने राज्य सरकार को समावेशी विकास के लिए ऋण योजना और विकासात्मक हस्तक्षेपों में सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। राज्य फोकस पेपर बैंकों और नीति-निर्माताओं के लिए वार्षिक ऋण योजना को अंतिम रूप देने और सतत विकास की रणनीतियाँ तैयार करने में एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में कार्य करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नाबार्ड की इस प्रयास की सराहना की तथा सभी हितधारकों को इस दस्तावेज को विभिन्न विभागों की योजनावों में समेकित करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य सचिव ने ली जिलाधिकारियों की समीक्षा बैठक

शीतलहर से निपटने की तैयारियों को लेकर सभी जनपदों में नोडल अधिकारी नामित करने व कोल्ड वेव एक्शन प्लान लागू करने के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। प्रदेश में संभावित शीतलहर एवं बर्फबारी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में शीत ऋतु के दौरान आपदा प्रबंधन एवं जन-सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि शीतलहर से संबंधित सभी विभागों द्वारा जनपद स्तर पर नोडल अधिकारियों की नामिती अनिवार्य रूप से की जाए। साथ ही प्रत्येक जनपद में कोल्ड वेव एक्शन प्लान तैयार कर उसके अनुसार प्रभावी एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों में बर्फबारी एवं पाला-ग्रस्त क्षेत्रों का चिन्हीकरण करते हुए सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की समुचित व्यवस्था की जाए। शीत ऋतु में निराश्रित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु अस्थायी रैन बसेरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा इनके संचालन हेतु पृथक नोडल अधिकारी नामित किए जाएं। मुख्य सचिव ने आवश्यकतानुसार कम्बलों के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनपदों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ रखते हुए आपातकालीन सेवाओं में तैनात चिकित्सकों की सूची, उनके मोबाइल नंबर तथा आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया कि पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारे एवं औषधियों का भंडारण किया जाए तथा आपातकालीन सेवाओं हेतु पशु चिकित्सकों की सूची भी तैयार रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शीत ऋतु के दौरान शीतलहर एवं बर्फबारी से उत्पन्न संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी जनपदों में मार्च माह के अंत तक खाद्य सामग्री, पेयजल एवं ईंधन का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से भारी बर्फबारी से प्रभावित होने वाले प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में दिसम्बर माह के अंत तक खाद्य, पेयजल एवं ईंधन का भंडारण अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए। मुख्य सचिव ने बर्फ से ढकी सड़कों को शीघ्र खुलवाने हेतु आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ बर्फबारी एवं पाला-ग्रस्त क्षेत्रों में साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर एवं अन्य सुरक्षा संकेतकों की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने ट्रेकिंग कराने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें स्पष्ट निर्देश देने को कहा कि ट्रेकिंग पर भेजे जाने वाले पर्यटकों की सुरक्षा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. एस.एन. पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन तथा अपर सचिव श्रीमती रंजना राजगुरू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने विद्यालय परिसरों में भालू के हमले में पीड़ित छात्रों से की बातचीत

साहसी छात्राओं दिव्या व दीपिका की बहादुरी को बताया गर्व का विषय

देहरादून (उद संवाददाता)।जनपद चमोली के विकास खण्ड पोखरी अंतर्गत विद्यालय परिसरों के समीप घटित भालू हमले की घटनाओं को मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अत्यंत गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री ने भालू हमले में घायल हुए पीड़ित छात्र से दूरभाष पर सीधी बातचीत कर न केवल उसका हालचाल जाना, बल्कि उसे ढांढस बंधाते हुए शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उपचार एवं सुरक्षा के हर स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घटना के दौरान अदम्य साहस, सूझबूझ और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए भालू से बच्चों की जान बचाने वाली साहसी छात्राओं दिव्या और दीपिका से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री ने छात्राओं की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में जिस साहस, धैर्य और जिम्मेदारी का परिचय उन्होंने दिया है, वह पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की घड़ी में अपनी जान की परवाह किए बिना अन्य बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना असाधारण साहस का उदाहरण है। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि राज्य सरकार ऐसे साहसी बच्चों को सदैव प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से गश्त बढ़ाई जाए, विद्यालयों, आंगनबाड़ियों एवं आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास सुरक्षा के अतिरिक्त पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए सभी आवश्यक व प्रभावी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि घायल छात्र को उचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने अधिकारियों से नियमित निगरानी बनाए रखने और स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर विश्वास कायम करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार के लिए बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और नागरिकों की जान-माल की रक्षा के लिए सरकार हर परिस्थिति में पूरी प्रतिबद्धता और कठोरता के साथ कार्य करेगी।

हाईवे निर्माण कंपनी पर मिट्टी चोरी का आरोप

वन विभाग ने मिट्टी चोरी के आरोप में 6 डंपर सीज किये

सितारगंज। नेशनल हाईवे का निर्माण करने वाली संस्था पर आरक्षित वन क्षेत्र से मिट्टी चोरी के आरोप में कंपनी के वाहनों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। वन विभाग ने प्रकरण में छह वाहनों को सीज कर वन चौकी में खड़ा कर दिया है। वन विभाग की कार्रवाई के बाद अवैध मिट्टी खनन वाले स्थल की संयुक्त पैमाइश की प्रक्रिया हो सकती है। शहर से सटी बैगुल नदी के पुल के नजदीक नेशनल हाईवे का निर्माण करने वाली कंपनी आरसीएल ने आरक्षित वन क्षेत्र से मिट्टी का अवैध तरीके से उठान कर दिया। जिसकी सूचना मिलने पर बाराकोली रेंजर कैलाश गुणवंत ने वन कर्मियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। प्राथमिक जांच में वन विभाग की टीम ने पाया कि कंपनी फॉरेस्ट लैंड से मिट्टी का खुदान किया है। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर अवैध मिट्टी में लिफ्ट 6 डंपरों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। इससे हाइवे निर्माण वाली कंपनी के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हाईवे निर्माण की आड़ में मिट्टी का अवैध कारोबार किया जा रहा हैं। इधर वन विभाग की टीम ने हाईवे निर्माण में जुटी कंपनी के 6 डंपर पर वन अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। बाराकोली रेंज के नन्द किशोर ने बताया कि हाईवे निर्माण कंपनी के 6 नंबरों को सीज कर चौकी में खड़ा किया गया है। मामले में वन अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत हुआ है। उन्होंने बताया कि वन विभाग ने अवैध मिट्टी खनन वाले स्थल की पैमाइश के लिए राजस्व विभाग से पत्राचार किया है। उन्होंने बताया कि संयुक्त पैमाइश के बाद भूमि के स्वामित्व का पता लग सकेगा। इधर हाईवे निर्माण कंपनी आरसीएल के जावेद खान ने बताया कि इस संबंध में डीएफओ से वार्ता की जा रही हैं। इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

कोहरे में दिन रात दौड़ रहे मिट्टी के डंपर

सितारगंज।क्षेत्र में दिन-रात हाईवे निर्माण की कंपनी के वाहन ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र की सड़कों में दौड़ रहे हैं। जबकि क्षेत्र को कोहरे की चादर ने पूरी तरह ढक रखा हैं। बिना कोहरे के कारण सड़कों पर कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में शायरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में मिट्टी वाहनों के कारण सड़क हादसों का खतरा बना हुआ है। जबकि पूर्व में भी कई बार वाहनों से हादसे हो चुके हैं।

महिला से मारपीट और जान से मारने की धमकी

किच्छा(उद संवाददाता)। कोतवाली किच्छा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 02 सोनेरा आजादनगर की निवासी सावित्री पत्नी कर्म सिंह ने सोमवार को कोतवाली में एक तहरीर देकर अपने साथ मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सावित्री ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि विशाल खुराना पुत्र कर्म सिंह, निवासी वार्ड नंबर 02 सोनेरा आजादनगर, थाना किच्छा, जिला ऊधमसिंहनगर ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे वह भयभीत हो गई। घटना के बाद पीड़िता ने परिजनों को इसकी जानकारी दी और बाद में कोतवाली किच्छा पहुंचकर लिखित तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा अपराध संख्या 418/25 दर्ज कर लिया है।

राज्य स्तरीय अंडर-19 बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में ऊधमसिंह नगर की टीम उपविजेता

साक्षी अनेरिया बनीं बेस्ट विकेटकीपर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।राजकीय इंटर कॉलेज, आई.डी.पी.एल., ऋषिकेश (देहरादून) में राज्य स्तरीय अंडर-19 बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पौड़ी, टिहरी, देहरादून, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल एवं चम्पावत जनपदों की कुल छह टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का आयोजन दो पूल में किया गया, जिसमें प्रत्येक पूल में तीन-तीन टीमें शामिल रहीं।अपने पूल में ऊधमसिंह नगर जिले की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया। सेमीफाइनल मुकाबले में ऊधमसिंह नगर का सामना दूसरे पूल में द्वितीय स्थान पर रही टिहरी की टीम से हुआ, जिसमें ऊधमसिंह नगर की टीम ने शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल देहरादून एवं नैनीताल की टीमों के मध्य खेला गया, जिसमें देहरादून की टीम विजयी रही।फाइनल मुकाबले में देहरादून की टीम ने जीत हासिल करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया, जबकि ऊधमसिंह नगर की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में ऊधमसिंह नगर टीम की ओर से श्री गुरुनानक बालिका इंटर कॉलेज की कक्षा 9 की छात्रा साक्षी अनेरिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। साक्षी ने चार मैचों में 63 रन बनाने के साथ-साथ 7 स्टम्पिंग एवं 5 रन आउट कर प्रतियोगिता में बेस्ट विकेटकीपर का सम्मान प्राप्त किया। ऊधमसिंह नगर की टीम में विद्यालय की कुल 14 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता से विद्यालय लौटने पर ऊधमसिंह नगर की क्रिकेट टीम एवं टीम के कोच श्री उत्तम सिंह का विद्यालय परिसर में स्वागत किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रीति अग्रवाल ने छात्राओं के शानदार प्रदर्शन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में सहभागिता छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रंगोत्सव राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता में भानु प्रताप पब्लिक स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।भानु प्रताप पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली एवं सृजनशील विद्यार्थियों ने रंगोत्सव राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, रंगों की गहरी समझ, रचनात्मक सोच और प्रभावशाली कलात्मक अभिव्यक्ति से निर्णायक मंडल को अत्यंत प्रभावित किया और विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी कला प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय देते हुए अनेक स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त किए। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन और कला के प्रति समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विशेष उपलब्धि के रूप में यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के उपरांत विद्यालय के कई मेधावी विद्यार्थियों का चयन अंतर्राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जो विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में कक्षा चार बी की प्रतिष्ठा दास और अंशिका सैनी, कक्षा आठ ए के कृषिव तिवारी एवं पलक चंद्रा, कक्षा पांच सी की जीविका चंद्रा तथा कक्षा 6 बी के वरुण अग्रवाल शामिल रहे। रजत पदक कक्षा 2 ए की हृदया पाठक, कक्षा 6 सी के आयुष्मान खन्ना, कक्षा 4 ए के रुद्र सिंह, कक्षा 7ए के आदित्य भट्ट तथा अंशिका सैनी ने प्राप्त किया। वहीं कांस्य पदक कृषिव तिवारी, हृदया पाठक, इशिता चौरसिया अभिनव कुमार ने अर्जित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकों ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों की कला के प्रति निष्ठा, निरंतर अभ्यास और रचनात्मक सोच की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को सुदृढ़ करती हैं और उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं। प्रधानाचार्य ने यह भी कहा कि भानु प्रताप पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सदैव प्रतिबद्ध रहा है तथा कला, संस्कृति एवं रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यालय की शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न अंग हैं।

स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती का बलिदान दिवस आर्य समाज परिसर में मंगलवार को श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: प्रभातफेरी निकाली गई। तत्पश्चात आर्य समाज परिसर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि आर्य समाज का अतीत त्यागी, तपस्वी, बलिदानी महापुरुषों से भरा पड़ा है जिन्होंने देश धर्म व संस्कृति को जाना उनमें से सबसे ऊपर नाम स्वामी श्रद्धानंद का आता है। सन 1857 में जन्मे बालक मुंशी नाम की शिक्षा बनारस से शुरू हुई और वकालत में समाप्त हुई। इनके पिता अंग्रेजी शासन में कोतवाल थे। सन 1879 में बरेली में स्वामी जी के संपर्क में आए थे आने पर पूरा जीवन ही बदल गया। अंग्रेजों द्वारा रॉलेट एक्ट लागू करने के विरोध में घंटाघर पर संगीनो के सामने छाती खोल दी। उनका साहस देख अंग्रेजी अफसर ने संगीनो को झुकने का आदेश दिया। यह पहला अवसर था जब स्वामी श्रद्धानंद जी ने दिल्ली की जामा मस्जिद के मिम्बर से खड़े होकर वेद मत्रों से प्रारंभ कर उद्बोधन दिया कि देश की आजादी के लिए हम सब मिलकर कार्य करेंगे। अमृतसर में जलियांवाला कांड के बाद स्वामी जी ने अध्यक्ष पद को संभाला। गुरु का बाग आंदोलन में भी स्वामी जी ने भाग लिया और उन्होंने कहा यदि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी आदेश देगी तो दिल्ली से 100 व्यक्तियों का जत्था और 5000 भी मैं भेज दूँगा! एक बार जब घर में अपने छोटे बच्चों को देखा कि "ईसा मेरा राम रमैया ईसामेरा कृष्ण कन्हैया ईसा ईसा बोल तेरा क्या लगेगा मोल" तो इस भाषा को देखकर स्वामी जी के मन में आया कि अगर बच्चे ऐसे ही शिक्षा प्राप्त करेंगे तो वह अपनी संस्कृति को भूल जाएंगे इसको देखकर मन में गुरुकुल खोलने का संकल्प लिया। सन 1902 में अपने दोनों बच्चों को साथ लेकर अपनी सब संपत्ति को बेचकर गुरुकुल खोल दिया जो आज विश्व विख्यात गुरुकुल कांगड़ी ,हरिद्वार के नाम से विश्वविख्यात है। उन्होंने कहा कि विधर्मियों द्वारा जनता को बहला फुसला कर विधर्मी बनाया जा रहा था उसको देखकर स्वामी जी के शुद्धि सभा का गठन किया शुद्धि सभा के माध्यम से अपने जो विधर्मी हो चुके थे उन्हें घर वापसी कराया। महात्मा गांधी को भी महात्मा की उपाधि स्वामी श्रद्धानंद जी ने दी। स्वामी जी ने अखबार भी निकाले एक तेज और दूसरा अर्जुन तीसरा पत्र अंग्रेजी में भी लिब्रेट के नाम से निकला। जिससे जनता को सभी जानकारियां मिल सके शुद्धि सभा से क्षुब्ध होकर जब रुग्ण अवस्था में दिल्ली नया बाजार अपने दफ्तर में विश्राम कर रहे थे मत आँध व्यक्ति अब्दुल रशीद ने स्वामी जी को गोली मार दी। जो आज भी श्रद्धानंद बाजार के नाम से विख्यात है। इसके उपलक्ष्य में मंगलवार को प्रात: प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जो आर्य समाज से लेकर नगर के विभिन्न भागों से होती हुई आर्य समाज में ही समाप्त हुई। उसके पश्चात पंडित प्रभात कुमार द्वारा यज्ञ करवाया गया। तत्पश्चात हरियाणा से पधारे हुए प्रदीप शास्त्री ने भजनों के माध्यम से स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डाला और आर्य कन्या इंटर कॉलेज की अध्यापिकाओं द्वारा और एवं छात्रों द्वारा भी स्वामी जी पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर पृथ्वीराज आर्य प्रधान, राजेंद्र चांदना मंत्री, अमित वासन कोशाध्याक्ष, बच्ची सिंह, चंद्रप्रकाश, सतीश तनेजा, धर्मेंद्र तनेजा, राजकुमार गुलाटी, कैलाश गर्ग, सुधीर ग्रोवर, महावीर प्रसाद, अमित कुकरेजा, प्रयाग, यतिन, भव्य, तनु , श्रीमती विमी चांदना, शालू वासन, पल्लवी, रेनू कुकरेजा, पूजा चौधरी, नीम पांडे एवं समस्त स्टाफ आर्य कन्या इंटर कॉलेज की उपस्थिति रही।

सरस्वती विद्या मंदिर में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम आयोजित

नानकमत्ता। पुष्पा प्रियंका सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में महिला सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. सीता मेहता प्राचार्या गुरु नानक स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने अपने सम्बोधन में कहा की महिलाओं के उत्थान समाज में महिलाओं की भूमिका ,आत्मनिर्भरता एवं गुणों के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पूनम बिष्ट व आचार्या राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज खटीमा रही। जिन्होंने अपने उद्बोधन में कुटुंब प्रबोधन तथा पर्यावरण संरक्षण के बारे में महिलाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विमला कार्की ने की। मंगेशकर राणा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रही। कार्यक्रम का सफल संयोजन विद्यालय की आचार्याओं द्वारा किया गया। इस मोके पर प्रधानाचार्य मदन सिंह जलाल, कार्यक्रम संयोजक भावना राणा, जयंती जोशी पुष्पा कांडपाल विद्यार्थी राणा, अब्बूलता मौर्य आदि मौजूद थे।

भागवत कथा में इंद्र का घमंड और कृष्ण के उपदेश के बारे में समझाया

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठें दिन पूज्य स्वामी पद्मनारायणाचार्य महाराज जी ने बताया कि आज की कथा में इंद्र का घमंड और कृष्ण उपदेश के बारे में समझाया। द्वापर युग में, ब्रजवासी इंद्र देव की पूजा करते थे। भगवान कृष्ण ने उन्हें समझाया कि इंद्र की पूजा करने से क्या लाभ, जबकि गोवर्धन पर्वत उनकी रक्षा करता है और सभी जरूरतें पूरी करता है, इसलिए गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। इंद्र का क्रोध कृष्ण की बात मानकर ब्रजवासियों ने इंद्र की बजाय गोवर्धन पूजा शुरू कर दी। इससे इंद्र देव क्रोधित हो गए और उन्होंने प्रलय के समान मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। कृष्ण द्वारा पर्वत उठाना गोकुल में बाढ़ और विनाश देखकर, भगवान कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी ब्रजवासियों, गायों व बछड़ों को उसके नीचे शरण लेने के लिए कहा सात दिन की वर्षा इंद्र देव ने सात दिनों तक लगातार बारिश की,

लेकिन श्री कृष्ण ने पर्वत को उठाए रखा और किसी को कोई नुकसान नहीं होने दिया। इंद्र की क्षमा याचना जब इंद्र को अपनी गलती का एहसास हुआ कि श्री कृष्ण स्वयं भगवान हैं, तो उन्होंने अपनी हार स्वीकार की और क्षमा याचना की। इसके बाद से गोवर्धन पूजा की परंपरा शुरू हुई। यह कथा भगवान कृष्ण की लीला और इंद्र देव के घमंड को तोड़ने का प्रतीक है। गोवर्धन पूजा कार्तिक मास (दीपावली के दूसरे दिन) में मनाई जाती है और अन्नकूट पर्व के रूप में भी मनाई जाती है, जहाँ अन्न का भोग लगाया जाता है। इस दिन गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिमा बनाकर पूजा की जाती है और परिक्रमा की जाती है। इससे पूर्व कथा के यजमान तिलकराज अदलखा के परिवार द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। कथा के दौरान कथा व्यास द्वारा सुनाए गए भजनों को सुनकर श्रद्धालु झूमते रहे। इस दौरान विधायक शिव अरोरा, विधायक तिलकराज बेहड़, बीना बेहड़,अध्यक्ष महेश बब्बर, महामंत्री ओमप्रकाश अरोरा, विजय जग्गा, विजय विरमानी, रोहिताश बत्रा, नन्दलाल भुड्डी, अमित अरोरा बॉबी, राकेश राजदेव, तन्नू साहनी, गौतम साहनी, मीनक्षी साहनी, हुनर साहनी, देवन साहनी, बंटी ग्रोवर, नरेश शर्मा, तिलक घई, सुरेश बब्बर, रमेश मिड्ढा, शशि अरोरा, राज वर्मा, पिंकी ग्रोवर, सीमा जुनेजा, किरन जग्गा, अश्विनी जुनेजा, राकेश सुखीजा, संदीप धीर, राजेन्द्र खनीजो, दीपक गुगलानी, सचिन मुंजाल, पवन गाबा, यमन बब्बर, संजय जुनेजा, कृष्ण लाल नारंग, अशोक भल्ला, सुदेश मिढ्ढा, अश्वनी बजाज, मनोज मुंजाल, विशाल भुड्डी, गौरव बेहड़, राजकुमार खनीजो, अशोक भल्ला, सुरेश जग्गा, रोहित जग्गा, आकांक्षा अनेजा, बीना बत्रा, सीमा जुनेजा आदि मौजूद थे।

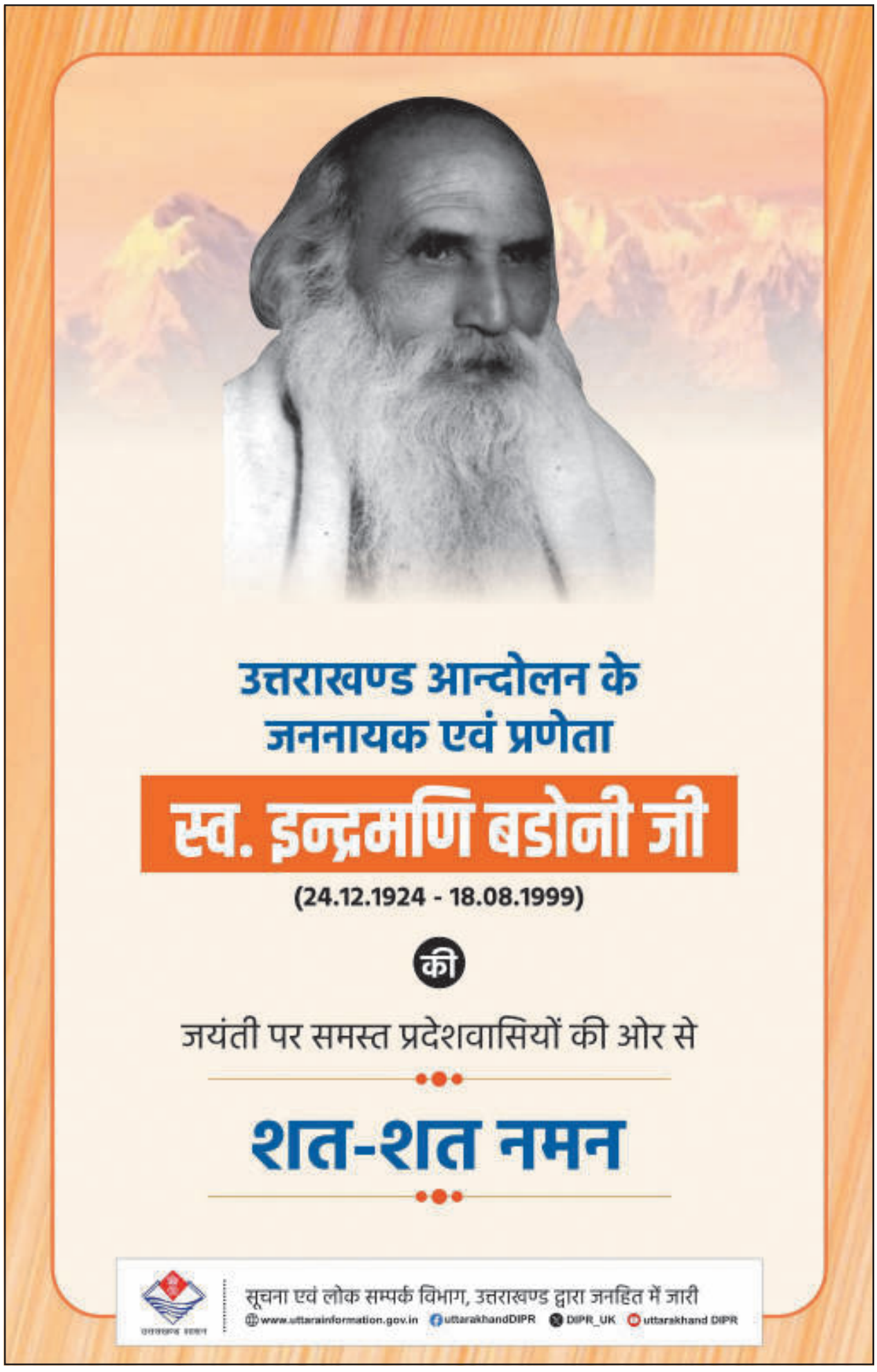

भाजपा नेता संजीव सिंह ने निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया

किच्छा(उद संवाददाता)।वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं समाजसेवी संजीव सिंह द्वारा अपने कार्यालय किच्छा में आंखों के मरीजों के लिए एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल, रुद्रपुर के चिकित्सकों द्वारा आंखों की विस्तृत जांच की गई।शिविर में आंखों के विभिन्न रोगों से पीड़ित लोगों की जांच के बाद उन्हें पर्चा रजिस्टर्ड कर दवाइयां निशुल्क वितरित की गई। जिन मरीजों में मोतियाबिंद जैसी गंभीर समस्याएं पाई गईं, उनके लिए आयुष्मान कार्ड योजना के अंतर्गत निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त

मरीजों को अस्पताल लाने-ले जाने की सुविधा भी निशुल्क प्रदान की जाएगी।इस मौके पर वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. नूतन जैन, डॉ. गौरव, डॉ. शहवाज और पूरी चिकित्सक टीम उपस्थित रही। शिविर का संचालन मैनेजर नफीस अहमद की देखरेख में किया गया।कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह ने कहा कि सभी मरीजों को आने-जाने की सुविधा पूरी तरह निशुल्क रहेगी और जिन मरीजों को रुद्रपुर अस्पताल जाना है, वे अपना फाइनल चेकअप करा कर ऑपरेशन की तारीख चिकित्सकों से निर्धारित कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रक्रिया में कोई समस्या आती है, तो वह सीधे उनके कार्यालय संपर्क कर समाधान प्राप्त कर सकता है।संजीव सिंह ने आगे बताया कि इस तरह के चिकित्सा शिविर भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें अलग-अलग प्रकार के मरीजों की जांच और उन्हें उचित उपचार के लिए सुझाव उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अवसर पर सतपाल, कमलेश कुमार, अमित कुमार, राजेश कुमार, राजकुमार झा, संजय भाई, मनिंदर सिंह, गौरव वाला, रमेश कुमार, धनंजय जी सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

निर्यात के लिए केएलए को मिला टॉप एक्सपोर्टर अवार्ड

कंपनी प्रबंधन को नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में भारत सरकार के वाणिज्य सचिव ने किया सम्मानित

रूद्रपुर। निर्यात के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रूद्रपुर के प्रतिष्ठित केएलए ग्रुप ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। ग्रुप की दो प्रमुख औद्योगिक इकाइयों-केएलए इंडिया पब्लिक लिमिटेड एवं केएलए फूड्स इंडिया लिमिटेड को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) द्वारा उत्तराखण्ड के टॉप एक्सपोर्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय समारोह में प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि केएलए ग्रुप की केएलए इंडिया पब्लिक लिमिटेड दशकों से चावल निर्यात के क्षेत्र में काम कर रही है और वर्तमान में उत्तराखंड से चावल निर्यात करने वाली सबसे बड़ी कंपनी के रूप में अपनी सशक्त पहचान बना चुकी है। वहीं, केएलए फूड्स इंडिया लिमिटेड फ्रोजन फूड उत्पादों के निर्यात में अग्रणी भूमिका निभा रही है। दोनों इकाइयों के माध्यम से केएलए ग्रुप वर्तमान में लगभग 55 देशों में अपने उत्पादों का निर्यात कर रहा है, जिससे न केवल क्षेत्रीय उद्योग को मजबूती मिल रही है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त आधार प्राप्त हो रहा है। निर्यात के क्षेत्र में कंपनी द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट, गुणवत्तापूर्ण और निरंतर प्रयासों को देखते हुए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन द्वारा केएलए इंडिया पब्लिक लिमिटेड को चावल श्रेणी में तथा केएलए फूड्स इंडिया लिमिटेड को फ्रोजन वेजिटेबल्स श्रेणी में उत्तराखण्ड के टॉप एक्सपोर्टर के रूप में नॉर्दन रीजन एक्सपोर्ट एक्सीलेंस एवं अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में केएलए ग्रुप के प्रबंध निदेशक अरुण अग्रवाल एवं निदेशक अशोक अग्रवाल , नमन अग्रवाल ,रक्षित अग्रवाल रंजीता अग्रवाल को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत सरकार के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं गोल्ड ट्रॉफी भेंट की गई। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस अवसर पर केएलए ग्रुप की कार्यशैली, गुणवत्ता मानकों और वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की सशक्त उपस्थिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उद्योग देश के निर्यात को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद केएलए ग्रुप के प्रबंध निदेशक अरुण अग्रवाल ने इस सम्मान को कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी, सहयोगी और समर्पित टीम वर्क का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि केएलए ग्रुप ने हमेशा गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और यही कारण है कि आज केएलए के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में भरोसे और विश्वसनीयता का प्रतीक बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि 55 से अधिक देशों में केएलए के उत्पादों को ग्राहकों का विश्वास और पसंद मिल रही है, जो कंपनी के लिए गर्व का विषय है। अरुण अग्रवाल ने अपने ग्राहकों, व्यापारिक साझेदारों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केएलए ग्रुप भविष्य में भी गुणवत्ता, नवाचार और समयबद्ध आपूर्ति के उच्चतम मानकों पर खरा उतरते हुए देश के निर्यात क्षेत्र में योगदान और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में केएलए ग्रुप भारतीय निर्यात को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

थैलीसीमिया पीड़ितों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित

रुद्रपुर (उत्तराखण्ड)।थैलीसीमिया से पीड़ित मासूम बच्चों एवं जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन जय माँ भगवती इंटरप्राइजेज कार्यालय, बर्गली मार्केट, जवाहर नगर (निकट सैम मानेकशा ग्लोबल स्कूल) में किया गया। इस शिविर को रुद्रपुर चेरिटेबल ब्लड बैंक के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।शिविर में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 26 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष रामवीर यादव, उपाध्यक्ष अलका अरोड़ा एवं कपिल भैया ,कमल कांत भैया ,सावन भैया अखिलेश भैया और अन्य लोग ने सभी रक्तदाताओं का तहे दिल से धन्यवाद करते हुए कहा कि थैलसीमिया से पीड़ित बच्चों को हर 15 दिन में रक्त की आवश्यकता होती है। उन्होंने समाज के सभी नागरिकों, संस्थाओं, कंपनियों, गुरुद्वारों, मंदिरों एवं मस्जिदों से अपील की कि जहां भी संभव हो, रक्तदान शिविर आयोजित करें, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी बच्चे का जीवन बचा सकता है।

पेयजल संकट को लेकर जल संस्थान में प्रदर्शन

हल्द्वानी। गुप्ता कम्पाउन्ड समेत राजपुरा के कुछ हिस्सों में व्याप्त पेयजल संकट से ठंड के मौसम में लोगों का पारा गर्म हो गया। युवा नेता हेमन्त साहू की अगुवाई में क्षेत्रवासियों ने जल संस्थान दफ्तर में जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने विभागीय अधिकारियों का घेराव कर जमकर खरी खोटी सुनाई।हेमंत साहू ने कहा गुप्ता कम्पाउन्ड समेत राजपुरा के कुछ हिस्सों में पिछले एक माह से पेयजल संकट बना है। रानीबाग वाली लाइन तिकोनिया चौराहे से कही पर टूट गई हैं जिसे खोजने में विभाग विफल साबित हुआ। जिस वजह लोगों को पानी की बूंद बूंद के लिए भटकना पड़ रहा है। साहू ने चेतवानी दी जल्द टूटी लाइन खोजकर व्यवस्था ठीक करने नहीं की गई तो उग्र आन्दोलन किया जायेगा। इस दौरान राजकुमार केसरवानी, किशोरी लाल, सुनीता देवी, पोसखी देवी, मुस्कान,नीलम, अर्चना गुप्ता, जया, सविता खन्ना, राजकुमारी देवी, रजनी गुप्ता, मदन बाल्मीकि, दया गुप्ता, मुन्नी गुप्ता, समेत तमाम लोग थे। इसके बाद विभाग द्वारा टैंकरों से पानी वितरण करवाया गया।

सरकारी भूमि पर पुनः कब्जे के प्रयास पर कार्रवाई

गदरपुर। राजस्व विभाग द्वारा ग्राम बकैनिया में शासकीय भूमि पर 17 दिसंबर को कब्जा लेकर अतिक्रमण हटाया गया था। इसके उपरांत अतिक्रमण कारियों द्वारा पुनः अवैध कब्जा करने के उद्देश्य से मौके पर लगाए गए सरकारी बोर्ड को हटा दिया गया, जिस पर विभाग की ओर से विगत शनिवार को संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया। राजस्व उपनिरीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार सुबह क्षेत्र निरीक्षण के दौरान उक्त सरकारी बोर्ड पुनः उसी स्थान पर लगा हुआ पाया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि विभाग की कार्रवाई के बाद स्थिति यथावत बनी हुई है।इधर, उपजिलाधिकारी रिचा सिंह द्वारा समस्त राजस्व उपनिरीक्षकों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पूर्व में जिन-जिन स्थानों पर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर कब्जा लिया गया है, उनकी अद्यतन स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही, जहां कहीं भी दोबारा अतिक्रमण पाया जाए, वहां तत्काल पुनः कब्जा लेकर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

हर पीठ दर्द में सर्जरी जरूरी नहीं होती: डा. आशीष

हल्द्वानी (उद संवाददाता) ।पीठ दर्द के कई कारण हो सकते हैं। इनमें मांसपेशियों में खिंचाव या मोच, डिस्क प्रोलैप्स, रेडिकुलोपैथी या सायटिका शामिल है।आशीष गुप्ता ने बताया अगर आपको तेज गर्दन या पीठ दर्द है जो आराम करने से भी ठीक नहीं हो रहा, हाथ या पैर में सुन्नता या झनझनाहट है, गिरने या चोट के बाद दर्द हुआ है, दर्द हाथ या पैर तक फैल रहा है, पेशाब करने में परेशानी हो रही है या हाथ-पैर में कमजोरी महसूस हो रही है, तो तुरंत न्यूरो स्पाइन स्पेशलिस्ट से परामर्श लेना चाहिए। सही इलाज के लिए सबसे पहले मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री ली जाती है और न्यूरोलॉजिकल टेस्ट के साथ स्पाइन की जांच की जाती है। डा. आशीष ने बताया सर्जरी तभी की सलाह दी जाती है जब नॉन-सर्जिकल इलाज से फायदा न हो। उन्होंने बताया कि पीठ को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट वॉक, स्विमिंग या साइक्लिंग करें। योग से स्ट्रेचिंग, स्ट्रेंथ और पोश्चर बेहतर होता है। झुककर बैठने से बचें, सही लम्बर सपोर्ट के साथ बैठें, आरामदायक और लो-हील जूते पहनें। साइड में सोएं और घुटनों को हल्का मोड़कर रखें, साथ ही फर्म मैट्रेस का इस्तेमाल करें। भारी सामान उठाने से बचें और उठाते समय शरीर को न मोड़ें। संतुलित डाइट लें, जिसमें कैल्शियम, फॉस्फोरस और विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में हों, और स्मोकिंग व शराब से दूरी बनाएं।

बालाजी मण्डल में दरबार की परंपरा को मिला नया उत्तराधिकारी

ब्रह्मलीन महंत राजेन्द्र अग्रवाल जी के पुत्र गौरव अग्रवाल ने संभाली गुरु गद्दी, तिलक और माल्यार्पण के साथ सौंपी गई जिम्मेवारी

रुद्रपुर। श्री बालाजी मण्डल, दिनेशपुर के ब्रह्मलीन महंत श्री राजेन्द्र अग्रवाल के देहावसान के पश्चात मंगलवार को उनकी गुरु गद्दी उनके बड़े पुत्र एडवोकेट गौरव अग्रवाल को विधिवत रूप से सौंप दी गई। दिनेशपुर स्थित श्री बालाजी मंदिर में आयोजित बालाजी दरबार के दौरान मण्डल से जुड़े वरिष्ठ दरबारियों ने तिलक, माल्यार्पण एवं आशीर्वाद प्रदान कर गौरव अग्रवाल को गुरु गद्दी पर विराजमान कराया। उल्लेखनीय है कि महंत श्री राजेन्द्र अग्रवाल ने दशकों तक श्री बालाजी मण्डल, दिनेशपुर के महंत के रूप में सेवा करते हुए क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और आस्था की अलख जगाई। उनके सादगीपूर्ण जीवन, आध्यात्मिक नेतृत्व और जनसेवा के कार्यों से बालाजी दरबार को एक विशिष्ट पहचान मिली। उनके ब्रह्मलीन होने के पश्चात गुरु गद्दी को लेकर श्रद्धालुओं और दरबारियों के बीच चर्चा चल रही थी। मंगलवार को श्री बालाजी मण्डल से जुड़े वरिष्ठ दरबारियों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि महंत राजेन्द्र अग्रवाल के आदर्शों और परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए उनके बड़े पुत्र एडवोकेट गौरव अग्रवाल को गुरु गद्दी सौंपी जाए। इस निर्णय के उपलक्ष्य में सायंकाल श्री बालाजी मंदिर में विशेष दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, दरबारी एवं बाबा बालाजी के भक्त उपस्थित रहे। दरबार के दौरान विधिवत तिलक, माल्यार्पण एवं आशीर्वाद के साथ गौरव अग्रवाल को गुरु गद्दी पर बैठाया गया। इस अवसर पर यह भी सर्वसम्मति से तय किया गया कि भविष्य में श्री बालाजी मण्डल, दिनेशपुर द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम, दरबार एवं अनुष्ठान गौरव अग्रवाल के सानिध्य में संपन्न कराए जाएंगे। गुरु गद्दी संभालने के पश्चात गौरव अग्रवाल ने सभी वरिष्ठ दरबारियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह गद्दी उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और पूजनीय दायित्व है। उन्होंने कहा कि वे अपने पूज्य पिता के आदर्शों, आचरण और सेवा भाव को आत्मसात करते हुए पूरी निष्ठा एवं श्रद्धा के साथ बालाजी महाराज की सेवा में समर्पित रहेंगे। उन्होंने यह कहा कि बालाजी मण्डल की ओर से आगामी दिनों में नियमित रूप से दरबारों का आयोजन किया जाएगा। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नववर्ष के स्वागत अवसर पर 1 जनवरी को दिनेशपुर स्थित श्री बालाजी मंदिर में श्री बालाजी महाराज का भव्य दरबार सजाया जाएगा। इस अवसर पर स्वर्ण चोला श्रृंगार एवं विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, उन्होंने बाबा भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में दरबार में पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर खरैत कुमार, हरिचरण सिंह, बलदेव डाबर, राजकुमार भुट्टी, नरेश ग्रोवर, बिट्टू ग्रोवर, विजय चिलाना, तरुण ग्रोवर, हरीश ठुकराल, शिव कुमार, मोहित नारंग, सुनील गर्ग, राकेश चावला, सुधीर गगनेजा, ओम शंकर श्रीवास्तव, आयुष अरोड़ा, पंडित बृजेंद्र शास्त्री, शैलेश मित्तल, अनुराग नारंग, तुषार गर्ग, सोनू कोली, बिट्टू अरोड़ा, लवी अरोड़ा, महेंद्र बंसल, अजय जायसवाल, विपुल कुमार, राहुल कोली, शिवा, नीरज, अंश अरोड़ा, वरुण नारंग सहित बड़ी संख्या में बाबाभक्त मौजूदरहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

अरावली पर्वत का संरक्षण

पिछले कुछ समय से देश में खनन के औचित्य और इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर कई सवाल उठे हैं, लेकिन यह पूरा मसला विकास बनाम प्रकृति के संरक्षण के द्वंद्व में उलझ कर रह जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि विकास की दिशा को बाधित करना प्रतिगामी हो सकता है, लेकिन सवाल यह है कि अगर प्रकृति के बेलगाम दोहन की कीमत पर दुनिया प्रगति का रास्ता अपनाती है, तो उसका हासिल क्या होगा। अरावली पर्वत-शृंखला को लेकर हाल ही में आए अदालती आदेश के आलोक में एक बार फिर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना एक बड़ी आबादी और इलाके के लिए जीवन-रेखा तथा सुरक्षा की एक मजबूत दीवार के रूप में मौजूद है, तो उसके संरक्षण के मुद्दे पर किसी जागरूक समाज की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे जमीन के हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अरावली को लेकर अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका खड़ी हो गई है कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव सामने आ सकते हैं। दरअसल, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पर्वत शृंखला को समूचे उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की दृष्टि से एक प्राकृतिक दीवार की तरह देखा जाता है। मगर पिछले कुछ दशकों से अरावली क्षेत्र को जिस तरह पत्थर, रेत और खनिज संसाधनों की मांग पूरी करने के लिए खनन का केंद्र बना दिया गया है, क्या उसके गंभीर खमियाजों का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता? हालांकि इस मसले पर उठे सवालों और विरोध के बाद केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा कि खनन गतिविधि अरावली के कुल क्षेत्र में से केवल '0.19 फीसद हिस्से' में ही करने की इजाजत होगी। मगर खनन का दरवाजा एक बार खुल जाने के बाद यहीं तक सीमित रहेगा, इसकी क्या गारंटी है? पिछले कुछ दशकों के दौरान जैसे-जैसे अरावली क्षेत्र में लोगों की गतिविधियां बढ़ी हैं, अपनी सुविधा और स्वार्थ में इस इलाके की प्राकृतिक संरचना को होने वाले नुकसान के सवाल की घोर अनदेखी हुई है। निर्बाध तरीके से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, संगमरमर और धात्विक खनिजों की निकासी ने अरावली की पहाड़ियों और जंगलों पर विपरीत असर डाला और अब आसपास के शहरों की आबोहवा तथा भूजल के स्तर की हालत देखी जा सकती है। कुछ प्रत्यक्ष और घातक परिणामों के बावजूद आखिर अरावली के संरक्षण का सवाल सरकार की नजर में महत्त्वपूर्ण नहीं है तो इसके क्या कारण हैं?

ग्रीष्मकालीन मक्का बीज की समय पर होगी उपलब्धता : एडीएम

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। किसानों को समय से ग्रीष्मकालीन मक्का बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी श्री कौस्तुभ मिश्र ने जिला सभागार में सिड्स प्लांट संचालकों एवं मक्का क्रय करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प के रूप में ग्रीष्मकालीन मक्का की खेती को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया गया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को समय पर अच्छी गुणवत्ता का मक्का बीज उपलब्ध कराना तथा फसल तैयार होने पर मक्का की खरीद सुनिश्चित करना सरकार एवं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध होने से उत्पादन में वृद्धि होगी, जिससे किसानों की आय में भी इजाफा होगा। उन्होंने मक्का बीज की कालाबाजारी करने

वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने मुख्य कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम, किसान दिवस एवं कृषक गोष्ठियों के माध्यम से मक्का फसल के प्रति अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि मक्का फसल की कटाई के समय उत्पाद में अधिक नमी की समस्या के समाधान के लिए जनपद में ड्रायर सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही मक्का फसल की कटाई में उपयोग होने वाले कृषि यंत्रों को कृषकों को अनुदान पर उपलब्ध कराने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। बैठक में मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. वी. के.एम. यादव सहित मक्का बीज विक्रय कंपनियोंख़कॉर्टेवा एग्रीसाइंस सीड्स, बायर क्रॉप साइंस लिमिटेड, नुजिवीडू एवं एडवांटाख़्तथा मक्का उत्पाद क्रय कंपनियों गुजरात अम्बुजा एक्सपोर्ट लिमिटेड (सितारगंज), रॉकेट इंडिया प्रा.लि. (रूद्रपुर), जे जीएन बायो फ्यूल प्रा.लि. (सितारगंज) एवं आईजीएल (काशीपुर)के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यूसीसी के प्रचार-प्रसार हेतु जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।समान नागरिक संहिता के प्रचार-प्रसार हेतु 10 मार्च 2010 से वर्तमान तक संपन्न विवाहों के पंजीकरण तथा यूसीसी के विभिन्न प्राविधानों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पी.एम. श्री राजकीय इंटर कॉलेज, हल्द्वानी में जनपद स्तरीय साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य शिक्षा अधिकारी नैनीताल गोविंद राम जायसवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद के समस्त विकासखंडों से आए छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रकला, वाद-विवाद, निबंध लेखन एवं क्विज प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में इशिता आर्या ने प्रथम स्थान,हिमानी सुयाल ने द्वितीय स्थान एवं तनुज सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबन्ध प्रतियोगिता में

मानसी आर्या प्रथम, प्रिया गुप्ता द्वितीय रेखा राउली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वाद- विवाद में मनसा नैनवाल ने प्रथम,मानसी शाह द्वितीय हिमांशी बढ़ानी तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में नेहा प्रथम, बबीता रौतेला द्वितीय, कविता बिष्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, हल्द्वानी द्वारा समान नागरिक संहिता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह द्वारा सराहा गया। अपने संबोधन में मुख्य शिक्षा अधिकारी नैनीताल गोविंद राम जायसवाल ने सर्वप्रथम संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया एवं बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों एवं समाज में समान नागरिक संहिता के विधिक, सामाजिक एवं संवैधानिक महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है। कार्यक्रम के अंत में सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भूपेंद्र चौधरी, आशुतोष शाह, अभिलाषा कीर्ति मीनाक्षी कीर्ति अमर सिंह बिष्ट अमर चौधरी राकेश लाल वर्मा उपस्थित रहे।

देहरादून में सहकारिता मेला का सीएम धामी ने किया उद्घाटन

सहकारिता केवल आर्थिक मॉडल नहीं, सामाजिक परिवर्तन का माध्यम: धामी

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज रेंजर्स ग्राउंड, देहरादून में आयोजित सहकारिता मेला 2025 में प्रतिभाग किया। यह आयोजन "अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025" एवं उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता मेला केवल उत्पादों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सहकारिता शक्ति, ग्रामीण आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सहकारिता भारतीय जीवन पद्धति का मूल संस्कार रही है, जहां व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के सामूहिक हित के लिए कार्य करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में सहकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है, इसी को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में "सहकार से समृद्धि" के संकल्प को साकार करने के लिए देश में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन एक ऐतिहासिक निर्णय है, जिसे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आज सहकारिता सुधारों में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। पूरे देश में बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों के कंप्यूटरीकरण की शुरुआत उत्तराखंड से हुई और आज प्रदेश की सभी 670 सहकारी समितियां पूर्णत: डिजिटल हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जहां पहले किसान दफ्तरों के चक्कर काटता था, वहीं आज मोबाइल फोन के माध्यम से सभी सेवाओं से जुड़ रहा है-यही कांग्रेस के कागजी मॉडल और भाजपा के जमीनी मॉडल का अंतर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी समितियां अब केवल ऋण देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाइयां, कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में बीमा, पेंशन, बिजली बिल, आधार एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने कहा कि जो संस्थाएं कभी बोझ मानी जाती थीं, वे आज जनता के लिए सुविधा केंद्र बन चुकी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नाबार्ड द्वारा प्रकाशित "स्टेट फोकस पेपर 2026-27, उत्तराखंड" का विमोचन किया तथा सहकारी समूहों को पांच-पांच लाख रुपये के ब्याज मुक्त ऋण के चेक भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहकारिता मेला आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर उत्तराखंड की दिशा में एक जनआंदोलन बनेगा और प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने के सरकार के "विकल्प रहित संकल्प" को और अधिक मजबूती देगा। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत, विधायक खजान दास, श्रीमती सविता कपूर सहित सहकारिता विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनता उपस्थित रही।

मजदूर ने टेंट स्वामी का सामान जलाया, पुलिस जांच में जुटी

सितारगंज(उद संवाददाता)।टेंट स्वामी के साथ काम करने वाले युवक ने पैसे के लेनदेन को लेकर दुकान में आग लगा दी। अग्निकांड में दुकान का सारा सामान जल गया। टेंट स्वामी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। ग्राम सरकड़ा निवासी धर्मेंद्र कश्यप पुत्र जगदीश प्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उसका शादी विवाह में कैटरिंग और सजावट का काम है। उसके पास करण पुत्र तोताराम निवासी थाना जहानाबाद काम करता था। 16 दिसंबर को करन ने उससे 20 हजार रूपये एडवांस मांगे। उसने कुछ दिन रुकने के लिए कहा। आरोप है कि करण ने उसे गाली गलौज की और धमकी दी। इसके बाद समझाने पर उसने कम को नगद 3 हजार और किसी अन्य के गूगल पे 1000 ट्रांसफर किए। आरोप है की गोदाम में उसके पिता 18 दिसंबर को सो रहे थे तभी उन्होंने कम को गोदाम के समान में पेट्रोल डालते हुए देखा रोकने का प्रयास किया तो कारण उन्हें ठक्कर देकर और आग लगाकर फरार हो गया। आरोप है कि आरोपी करण के साथ रामबाबू पुत्र श्याम बिहारी भी मौजूद था। पीड़ित ने बताया की आग से उसका काफी नुकसान हुआ है। पुलिस ने मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

किसान दिवस पर एसबीआई ने मनाया अन्नदाता पखवाड़ा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारतीय स्टेट बैंक ने 8 दिसंबर से 23 दिसंबर 2025 तक 15 दिवसीय अन्नदाता उत्सव का भव्य आयोजन किया। जो राष्ट्रीय किसान दिवस पर केंद्रित था। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य किसानों का सम्मान करना, बैंक और किसानों के बीच सीधा संवाद बढ़ाना था। उप महाप्रबंधक राजीव रंजन ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक बैंकिंग सेवाओं और सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। देशभर की ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी शाखाओं में ग्राम चौपाल, जागरूकता शिविर तथा एग्री एचएनआई कस्टमर मीट्स एवं

रात्रि चौपाल का भी आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान उत्सव के दौरान ग्राम चौपालों में किसानों को क्रेडिट मॉनिटरिंग अवेयरनेस, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी से बचाव तथा प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

तहसील प्रशासन के आश्वासन के बाद पूर्व प्रधान ने किया धरना स्थगित

नानकमत्ता। पंचायत चुनाव में सरकारी संपत्ति कब्जा करने के आरोप के बाद प्रधानी का पर्चा निरस्त होने पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे पूर्व प्रधान ने प्रशासन द्वारा एक माह में लिखित सूचना देने के आश्वासन पर धरना समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि मंगलवार को ग्राम सरोंजा के पूर्व प्रधान मोमिन्द्र सिंह मोमी ने नानकमत्ता उप तहसील में अपने समर्थकों के साथ अनिश्चितकालीन धरना का प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया था कि पंचायती चुनाव में विपक्षी दलों द्वारा उन पर सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था, जबकि उनके द्वारा कोई सरकारी संपत्ति पर कब्जा नहीं किया गया है, इसके बावजूद उनके विपक्षी दल की आपत्ति पर पर्चा निरस्त कर दिया गया था। आरोप है कि काफी समय से वह तहसील प्रशासन से सरकारी संपत्ति पर कब्जा करने का लिखित प्रमाण मांग रहे हैं लेकिन प्रशासन द्वारा लिखित प्रमाण नहीं दिया जा रहा है। पूर्व प्रधान द्वारा अनुचितकालीन धरना देने के पश्चात तहसील प्रशासन ने उनका आश्वासन दिया है कि एक माह के अंदर आपको लिखित प्रमाण दिया जाएगा कि आपके द्वारा कब्जा किया गया है या नहीं। जिसके पश्चात पूर्व प्रधान व उनके समर्थको ने अनिश्चित कालीन धरना स्थगित कर दिया है।

चार साहिबजादों की शहादत को किया नमन

किच्छा(उद संवाददाता)। देश और धर्म की रक्षा के लिए इतिहास में सबसे कम उम्र में हँसते-हँसते अपने प्राणों का बलिदान देने वाले गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादेख़बाबा अजीत सिंह जी, बाबा जुझार सिंह जी, बाबा जोरावर सिंह जी एवं बाबा फतेह सिंह जी की पावन स्मृति में शहीदी पर्व वीर बाल दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, किच्छा द्वारा नानकसर ठाठ गुरुद्वारा साहिब में भव्य धार्मिक दीवान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगत, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। धार्मिक दीवान के दौरान ज्ञानी रेशम सिंह जी ने गुरबाणी विचार के माध्यम से चार साहिबजादों की अद्वितीय शहादत का भावपूर्ण वर्णन करते हुए उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि साहिबजादों का बलिदान केवल सिख इतिहास ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष के लिए साहस, धर्मनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की अमर मिसाल है। उनके विचारों से संगत निहाल हो उठी और पूरा वातावरण "जो बोले सो निहाल" के जयघोष से गूंज उठा। उल्लेखनीय है कि वीर बाल दिवस प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया जाता

है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों की महान शहादत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने के उद्देश्य से घोषित किया गया है। यह निर्णय देश के गौरवशाली इतिहास, त्याग और बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की सरकार की दूरदर्शी सोच को प्रतिबिंबित करता है। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वीर बाल दिवस घोषित कर देश के इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय को उचित सम्मान प्रदान किया है। मोदी सरकार भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों और वीर शहीदों के बलिदान को न केवल देश में बल्कि वैश्विक मंच पर भी सम्मान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में बाबा सूखचौन सिंह, बलजीत गाबा, मंडल अध्यक्ष किच्छा गोल्डी गोराया, किच्छा ग्रामीण अध्यक्ष मयंक तिवारी, महामंत्री जितेंद्र गौतम, बिजेंद्र यादव, मुकेश कोली, ग्राम प्रधान मनिंदर सिंह, बंटी खुराना, नरेंद्र ठुकराल, राज गगनेजा, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश तिवारी, धर्मराज जायसवाल, बाबा संता सिंह, डी.एन. यादव, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश कोली, विजय तोमर, प्रगट सिंह, चरणजीत सिंह, श्याम सुंदर बिष्ट, नारायण पाठक, अंकित पाठक, मलकीत सिंह, मलजीत सिंह, अमृत पाल सिंह, लवली सिंह बिट्टू हुंडिया, गुरुचरण सिंह, जसवीर सिंह, महेंद्र सिंह बटला, सरदार निर्मल सिंह, राणा राघबेंद्र शाही, सरदार भजन सिंह, सरदार धीर सिंह, शेर सिंह, सरदार कैर सिंह, नरेंद्र सिंह, कश्मीर सिंह, अंकित तिवारी, अंकित ठाकुर, दिवाकर भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में मनाई इन्द्रमणि बडोनी की 100वीं जयंती

किच्छा (उद संवाददाता)। राजकीय महाविद्यालय किच्छा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तथा महाविद्यालय के समस्त विभागों के सहयोग से उत्तराखंड राज्य आंदोलन के प्रणेता एवं "उत्तराखंड के गांधी" के नाम से विख्यात इन्द्रमणि बडोनी की 100वीं जयंती गरिमामय और प्रेरणादायी वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रद्धा, स्मरण और वैचारिक विमर्श के माध्यम से उनके जीवन और आदर्शों को युवाओं तक पहुँचाना था।कार्यक्रम का शुभारंभ इन्द्रमणि बडोनी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजीव रत्तन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि बडोनी का जीवन त्याग, संघर्ष और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अहिंसक आंदोलनों के माध्यम से उत्तराखंड राज्य निर्माण की चेतना को जन-जन तक पहुँचाया, जो आज भी

युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रकाश चंद भट्ट ने कहा कि बडोनी उत्तराखंड की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था और जनआकांक्षाओं की सशक्त आवाज थे। उन्होंने अपने जीवन को उत्तराखंड राज्य निर्माण के संकल्प को समर्पित कर आम जनता को संगठित किया और ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया। डॉ. नरेश कुमार और डॉ. उमराव सिंह ने भी बडोनी के संघर्ष, दृढ़ संकल्प और नैतिक नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर डॉ. मनीषा पांडेय, श्री प्रकाशचंद डुंगराकोटी, कार्यालय प्रमुख श्रीमती लवली पांडेय तथा महाविद्यालय के कार्मिक उपेंद्र, आनंद और गौतम उपस्थित रहे। कुल 47 विद्यार्थियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लेकर इसे और अधिक प्रेरणादायी बनाया।कार्यक्रम में जनकवि गिर्दा के प्रसिद्ध गीत "उत्तराखंड मेरी जन्मभूमि, मेरी मातृभूमि" का सामूहिक गायन किया गया, जिससे वातावरण भावनात्मक और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी शिक्षकों, कर्मचारियोंऔर विद्यार्थियोंने इन्द्रमणि बडोनी के विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

पेज एक का शेष...

सीएम धामी ने रूद्रपुर...सेवाएं उपलब्ध होने से दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों और जटिल मामलों में तत्काल उपचार संभव हो पाएगा। मेडिकल कॉलेज में विशेषज्ञ चिकित्सकों की स्थायी उपलब्धता से मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों या अन्य राज्यों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे न सिर्फ समय और धन की बचत होगी, बल्कि मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। तराई का अहम औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज के संचालन का सीधा लाभ सिडकुल क्षेत्र में काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारियों को मिलेगा और शहर की औद्योगिक इकाइयों में कार्य करने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों को अब दुर्घटना, गंभीर बीमारी या फिर आपातकालीन स्थिति में इलाज के लिए दूसरे शहर नहीं जाना पड़ेगा।इसके अतिरिक्त राजकीय मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर के संचालन से पर्वतीय क्षेत्रों से सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी पर निर्भरता कम होकर बढ़ते मरीजों के दबाव में भी कमी आएगी तथा टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, संक्रामक रोग नियंत्रण जैसे प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू करने में भी अच्छी खासी मदद मिलेगी। मेडिकल कॉलेज में प्रतिवर्ष 100 एमबीबीएस सीटों की उपलब्धता के चलते उत्तराखंड सहित देश भर के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर प्राप्त होंगे। यह मेडिकल कॉलेज राज्य को चिकित्सा शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम भूमिका तो निभाएगा ही निभाएगा साथ ही इससे चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य कर्मचारियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे क्षेत्र में पलायन की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी।

अंकिता भंडारी मामले...के आरोपियों को सख्त सजा मिले और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो।कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख नेताओं में जिला अध्यक्ष हिमांशु गावा, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ममता रानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष सी पी शर्मा, वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा, पूर्व पार्षद प्रीति साना, सेवादल अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, प्रदेश उपाध्यक्ष ममता हालदार, पूर्व पार्षद मालती मौर्या और मोहन भारद्वाज समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे। **रामनगर**-बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड की चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। रानीखेत रोड पर उन्होंने भाजपा सरकार का पुतला दहन करते हुए आरोपियों को फांसी की सजा देने और पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि आज भाजपा के राज में उत्तराखंड की बहनें और बेटियां असुरक्षित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला सशक्तिकरण और सम्मान देने वाली सरकार के बावजूद महिलाएं उत्पीड़न का शिकार हो रही हैं और कई घटनाओं में भाजपा नेताओं की भूमिका सामने आई है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में सरकार ने प्यादों को जेल भेजा, जबकि वरिष्ठ नेताओं को संरक्षण दिया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष सीबीआई जांच हो, सभी साक्ष्य सुरक्षित रहें और घटना में शामिल आरोपियों को फांसी की सजा मिले। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि अंकिता भंडारी को न्याय मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

धामी कैबिनेट...रुपये से बढ़कर 450 रुपये कर दिया गया। सिंचाई और लोक निर्माण विभाग के वर्क चार्ज एम्प्लाइज को पेंशन देने की भी मंजूरी दी गई। उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा सेवा संशोधन नियमावली को भी मंजूरी मिली, जिसके तहत प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर की सेवा आयु 50 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई। सुपर स्पेशलिटी सर्विसेज के लिए नए विभागों का निर्माण किया गया और स्वामी राम कैंसर इंस्टीट्यूट हल्द्वानी के लिए चार नए पद सृजित किए गए। श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में समान कार्य, समान वेतन का मामला भी उठाया गया, जिसमें 277 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा और इसे कैबिनेट उपसमिति को भेजा गया। इसके अतिरिक्त दुर्गम और अति-दुर्गम इलाकों में काम करने वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 50% अतिरिक्त भत्ता देने का निर्णय लिया गया, जिससे लगभग 300 डॉक्टरों को इसका लाभ मिलेगा।

वन ग्रामों को प्राथमिकता...कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है और बहुत जल्द ठोस कार्रवाई शुरू हो जाएगी। जो वन ग्राम राजस्व ग्राम घोषित किए जा सकते हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द ही राजस्व ग्राम बनाया जाएगा। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व को लेकर सांसद ने कहा कि यह विश्व प्रसिद्ध पार्क है और पर्यटन गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले वन एवं पर्यावरण से जुड़े दायित्वों में रहते हुए भी उन्होंने इस क्षेत्र में कार्य किया था और अब भी पर्यटन को बढ़ावा देने तथा जैव विविधता के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सांसद ने बताया कि हाल ही में भारत सरकार के वन विभाग की कंसलटेटिव कमेटी की बैठक में मानव-वन्यजीव संघर्ष पर गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के व्यवहार में बदलाव पर वैज्ञानिक अध्ययन और रिसर्च की आवश्यकता है। इस हेतु केंद्र सरकार से संसाधन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव ने उत्तराखंड को हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। अंत में सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों ने हमेशा पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण में बलिदान दिया है, लेकिन इसकी कीमत आम जनता को नहीं चुकानी पड़े। केंद्र सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ राज्य का सहयोग करेगी और वन ग्रामों तथा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से हल किया जाएगा।

घर में घुसे तीन ... आया, गेट बंद हो गया और एक भालू पिंजरे में फंस गया। वन विभाग के रेंजर रूप मोहन नौटियाल ने बताया कि यदि समय पर पिंजरे का गेट खुल जाता तो दो भालू भी कैद किए जा सकते थे। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी में साफ देखा जा सकता है कि तीन भालू मस्ती करते हुए घर के आंगन में घूम रहे थे। रेंजर रूप मोहन नौटियाल ने बताया कि पिंजरे में फंसे भालू को उत्तरकाशी वन प्रभाग कार्यालय लाया जा रहा है। इसके बाद शासन से पत्राचार कर उसे सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भटवाड़ी क्षेत्र में कई जगहों पर पिंजरे लगाए गए हैं और ग्रामीणों से अपील की गई है कि जंगलों में चारपत्ती लेने या अन्य काम के लिए समूह बनाकर जाएं। साथ ही ग्रामीणों को निर्देश दिए गए हैं कि भालू या अन्य जंगली जानवरों की गतिविधियों की सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

नगरपालिका में सफाई ठेके पर भ्रष्टाचार के आरोप

गदरपुर(उद संवाददाता)।नगर पालिका की सफाई व्यवस्था और डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के टेंडर प्रक्रिया को लेकर आरोप लगे हैं। वार्ड नंबर 4 के सभासद रजत कुमार 'अश्विनी' ने पालिका अध्यक्ष मनोज गुम्बर पर यह आरोप लगाया कि टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इसे एक व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए चलाया जा रहा है। सभासद रजत कुमार ने बताया कि पूर्व पालिकाध्यक्ष गुलाम गौस के कार्यकाल में भी इसी ठेके को लेकर विवाद हुआ था और तब उन्होंने और वर्तमान पालिकाध्यक्ष मनोज गुम्बर ने धरना प्रदर्शन भी किया था। रजत कुमार अश्विनी ने कहा कि मनोज गुम्बर अब उसी ठेके का लाभ निजी स्वार्थ के लिए उठा रहे हैं। उन्होंने टेंडर प्रक्रिया को रद्द करने और स्थानीय कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था का कार्य सौंपने की मांग की, ताकि नगर पालिका क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिले और भ्रष्टाचार मुक्त सफाई व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। स्थानीय निवासियों ने भी सभासद के समर्थन में आवाज उठाई और नगरपालिका प्रशासन से मांग की कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। फिलहाल, नगरपालिका प्रशासन की प्रतिक्रिया और आगे की कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है। इस विवाद ने गदरपुर नगर पालिका में सफाई ठेके और टेंडर प्रक्रिया के पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

सं. भा.ति.सी.पु.बल / 45वीं वा. / स्था-02/न्यायिक जाँच / हैड.का/ सी.एम विशाल सिंह राणा/2025/ 4511
कार्यालय सेनानी, 45वीं वाहिनी /
भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
गृह मंत्रालय/भारत सरकार,
इंडियापटटी कैम्प, पो.ओ. साउथ आमूर,
जिला-मदूरै (तमिलनाडु)-625110
E Mail-itcell45thbn@itbp.gov.in
दिनांकः- 04.10.2025

"कारण बताओ नोटिस"

आपको दिनांक 07.06.2025 (अप्रा०) से दिनांक-19.06.2025 (अप्रा०) तक 10 दिन आकस्मिक अवकाश स्वीकृत कर भेजा गया था। अवकाश समाप्ति के उपरांत आपके द्वारा दिनांक 19.06.2025 (अप्रा.) को अपनी आमद वाहिनी मुख्यालय में देनी, किन्तु आपके द्वारा ड्यूटी पर आमद होने के बजाय दिनांक 20.06.2025 को ई०-मेल के माध्यम से माताजी के घुटने के ईलाज हेतु 30 दिन अर्जित अवकाश बढ़ोतरी हेतु अनुरोध किया गया। प्रशासनिक कारणों से 30 दिन अर्जित अवकाश बढ़ोतरी हेतु किये गये आपके अनुरोध को सक्षम अधिकारी द्वारा अस्वीकार करते हुए कार्यालय ज्ञापन संख्या 1429 दिनांक-25.06.2025 एवं कार्यालय ज्ञापन संख्या-1500 दिनांक-02.07.2025 के तहत आपको ड्यूटी पर आमद देने हेतु निर्देशित किये जाने के उपरान्त भी आप न तो अपनी ड्यूटी पर आमद हुए और न ही दिनांक-20.06.2025 के उपरान्त आपके द्वारा कोई सूचना इस कार्यालय को प्रेषित की गई है। 45वीं वाहिनी के पत्र संख्या-2638 दिनांक 19.07.2025 के तहत आपके उत्तराधिकारी श्रीमती पार्वती देवी (माताजी) से अपने पुत्र को शीघ्र ड्यूटी ज्वाईन करने के लिए निर्देशित करने हेतु अनुरोध किया गया, किन्तु आपके द्वारा अभी तक अपनी आमद वाहिनी मुख्यालय में नहीं दी गई। जिसके फलस्वरूप पत्रांक संख्या-593 दिनांक 19.07.2025 के तहत पुलिस अधीक्षक, जिला ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) से आपको गिरफ्तार कर वाहिनी मुख्यालय 45वीं वाहिनी भा.ति.सी.पु.बल इंडियापट्टी, पो.- साउथ आमूर, जिला-मदूरै (तमिलनाडु) को सुपुर्द करने हेतु अनुरोध किया गया, जिसकी एक प्रति थाना प्रभारी थाना नानकमता जिला ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) को भेजी गई।

2. उपरोक्तानुसार आपको बार-बार निर्देशित करने के उपरान्त भी आपके द्वारा अभी तक अपनी आमद 45वीं वाहिनी मुख्यालय मुख्यालय में नहीं दी है और न ही दिनांक-20.06.2025 (अप्रा.) के उपरान्त स्वयं की अनुपस्थिति के बारे में किसी माध्यम से इस वाहिनी से सम्पर्क स्थापित किया गया। पुलिस अधीक्षक, जिला ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) द्वारा भी आपको गिरफ्तार कर 45वीं वाहिनी को सुपुर्द नहीं किया गया है। आपको ड्यूटी पर आमद देने हेतु बार-बार निर्देशित किये जाने के बावजूद भी आपके द्वारा 45वीं वाहिनी में आमद नहीं देने से स्पष्ट होता है कि आप स्वेच्छा से अनुपस्थित चल रहे हैं और आप बल में आगे के लिए सेवा करने हेतु इच्छुक नहीं हैं।

3. आपके दिनांक 19.06.2025 (अप्रा.) से बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति / अवकाश स्वीकृति के अवकाश से अनुपस्थित रहने के कारणों का पता लगाने हेतु 45वीं वाहिनी के कार्यालय आदेश संख्या 1696 दिनांक-22.07.2025 के तहत न्यायिक जांच समिति का गठन किया गया, गठित न्यायिक जांच समिति की राय / निष्कर्ष एवं तथ्यों के आधार पर भा.ति.सी. पुलिस अधिनियम-1992 की धारा-74(2) एवं स्थाई आदेश संख्या 21/2014 दिनांक 26.06.2014 में निहित प्रावधानों के अनुसार आपको 45वीं वाहिनी के आदेश संख्या-3822-30 दिनांक 30.08.2025 के तहत दिनांक 19.06.2025 (अप्रा.) से बल से "भगौड़ा" (DESERTER) घोषित किया गया है, जिसकी प्रति पंजीकृत डाक के माध्यम से आपके गृहनगर पर भी भेजी गई है।

4. आपके अनुपस्थित संबंधी प्रकरण पर भा.ति.सी.पु.बल अधिनियम-1992 एवं नियमावली-1994 में निहित प्रावधानों के अनुसार अग्रिम निर्णय लेने से पूर्व आपको पुनः एक और अवसर देते हुए यह **"कारण बताओ नोटिस"** इस आशय से जारी किया जा रहा है कि आप इस नोटिस के जारी होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर 45वीं वाहिनी, भा.ति.सी.पु.बल, मदूरै (तमिलनाडु) में रिपोर्ट करें अथवा अपने बचाव पक्ष में तथ्य / उचित दस्तावेज इस कार्यालय को प्रस्तुत करें अन्यथा एकतरफा निर्णय लेते हुए आपको **"सेवा से बर्खास्त"** कर दिया जायेगा।

सेनानी
45वीं वाहिनी, भा.ति.सी पु. बल

To,
Regt No. 240450105 HC(CM) Vishal Singh Rana
S/o Sh. Gyan Singh Rana, Vill-Devkali,
Post Office- Nanakmatta. Tehsil-Sitarganj,
Distt-Udham Singh Nagar (Uttarkhand) Pin-262311.
Email-ranavishal2496@gmail.com
Mob No- 8941847548
CBC19112/11/0218/2526

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

नये साल से रूद्रपुर में मंगलवार को नॉनवेज की बिक्री पर रोक

महापौर ने दी नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना और दुकान सील करने की चेतावनी

रूद्रपुर।नये साल 2026 से रूद्रपुर शहर में मांस और मछली की बिक्री को लेकर नगर निगम सख्त रुख अपनाने जा रहा है। नगर निगम के निर्णय के अनुसार जनवरी से प्रत्येक मंगलवार को शहर में मीट और मछली की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। इस निर्णय के साथ ही महापौर विकास शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि नियमों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों के खिलाफ जुर्माना लगाने के साथ-साथ दुकान सील करने जैसी कठोर कार्रवाई भी की जाएगी।शहर में मांस विक्रेताओं द्वारा नियमों की अवहेलना को लेकर महापौर को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। कई क्षेत्रों में खुले में मांस काटे जाने, दुकानों के आसपास गंदगी फैलने और स्वच्छता मानकों की अनदेखी की शिकायतें सामने आई थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने नगर निगम में मांस विक्रेताओं की बैठक बुलाकर उन्हें नियमों की जानकारी दी और भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी।बैठक में महापौर ने साफ शब्दों में कहा कि शहर में अब मंगलवार को मीट और मछली की दुकानें बंद रहेंगी। इस पर मांस विक्रेताओं ने क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट को देखते हुए दिसंबर माह तक इस निर्णय को स्थगित रखने का अनुरोध

किया। महापौर ने इस आग्रह को स्वीकार करते हुए दिसंबर तक मंगलवार को दुकानें खुली रखने की अस्थायी अनुमति दे दी, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि जनवरी 2026 से मंगलवार को शहर में कहीं भी मीट की दुकान खुली नहीं मिलेगी। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ बिना किसी चेतावनी के कार्रवाई की जाएगी।महापौर ने मांस विक्रेताओं को नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक दुकानदार के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है और किसी भी मंदिर या पवित्र स्थल के आस-पास मांस की दुकान नहीं खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि जानवरों का वध दुकानों पर नहीं किया जाएगा और केवल अधिकृत स्लॉटर हाउस में ही वध की अनुमति होगी। मांस के सुरक्षित भंडारण के लिए दुकानों में फ्रीजर की व्यवस्था अनिवार्य होगी और खुले में मांस रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मांस को ढककर ही बिक्री करने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि मांस काटने के लिए केवल स्टील के चाकू और स्वच्छ उपकरणों का उपयोग करना होगा। दुकानों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखन होगा। महापौर ने दो टूक शब्दों में कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर में स्वच्छता बनाए रखना, जनस्वास्थ्य की रक्षा करना और धार्मिक भावनाओं का सम्मान सुनिश्चित करना है। नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार जुर्माना लगाने और दुकान सील करने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।बैठक में दीन दयाल पाल, अंकुर पाल, देव पाल, नारायण पाल, जितेंद्र पाल, मनीष, सुमित सोनकर, मनीष पाल, अक्कू भाई, रोहित सोनकर, नदीम, वसीम, अजय पाल, तस्लीम कुरैशी, शरीफ, विजय सोनकर, जरीफ, भूरा सहित अन्य मांस विक्रेता उपस्थित रहे।

चोरगलिया क्षेत्र में अनियमित विद्युत कटौती से जनता परेशान

चोरगलिया(उद संवाददाता)। चोरगलिया क्षेत्र में लगातार हो रही अनियमित एवं अघोषित संध्याकालीन विद्युत कटौती से आम जनता को हो रही परेशानियों को लेकर क्षेत्रवासियों ने विद्युत वितरण खंड सितारगंज के अधिशासी अभियंता से मुलाकात कर अपना रोष व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने बिजली कटौती से जनजीवन पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों से अधिकारियों को अवगत कराते हुए तत्काल सांयकालीन विद्युत कटौती बंद करने की मांग की।क्षेत्रवासियों ने बताया कि शाम के समय बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने से घरेलू कार्यों, बच्चों की पढ़ाई, व्यापारिक गतिविधियों एवं बुजुर्गों की दैनिक आवश्यकताओं पर गंभीर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा

कि बिना पूर्व सूचना के की जा रही कटौती से आम जनमानस में असंतोष बढ़ता जा रहा है।मुलाकात के दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा अधिशासी अभियंता को इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की गई। समाजसेवी भुवन पोखरिया ने कहा कि यदि जल्द ही विद्युत कटौती की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो क्षेत्रवासी देहरादून जाकर सचिव एवं विद्युत विभाग के प्रबंध निदेशक से मुलाकात करेंगे।उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक जनता की इस मूलभूत समस्या का समाधान नहीं हो जाता, तब तक जनहित एवं क्षेत्रवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग से अपेक्षा जताई कि जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

नैनीताल विंटर कार्निवाल में कला एवं संस्कृति का अद्भुत संगम

नैनीताल (उद संवाददाता)। विंटर कार्निवाल में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत मंगलवार को स्थानीय विधायक सरिया आर्य तथा अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने हरी झंडी दिखाकर कार्निवाल झांकी का शुभारंभ किया। कार्निवाल झांकी में तल्लीताल डांठ से प्रारंभ होकर माल रोड होते हुए फ्लैट्स मैदान मल्लीताल में समाप्त हुई। नैनीताल विंटर कार्निवाल के अंतर्गत आयोजित झांकी में कला एवं संस्कृति का एक अनूठा और मनमोहक संगम देखने को मिला। देशख़विदेश से आए पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों ने इस रंगारंग आयोजन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रस्तुत की गई झांकियों में लखिया भूत की झांकी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही, जिसने दर्शकों को अपनी ओर विशेष रूप से आकर्षित किया। पारंपरिक लोक कला और सजीव प्रस्तुति ने कार्निवाल की शोभा को और बढ़ाया। वहीं बाबा दीप सिंह गतका ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किए गए हैरतअंगेज करतबों ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। साहस, अनुशासन और परंपरा से जुड़ी इस प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। झांकी के दौरान रं कल्याण संस्था हल्द्वानी ने रं संस्कृति तथा तिब्बती कम्युनिटी नैनीताल के माध्यम से सीमावर्ती तिब्बती संस्कृति की भी मनोहारी झलक देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने नैनीताल विंटर कार्निवाल को विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत उदाहरण बना दिया। वोझांकी के दौरान जब कुमाऊं रेजिमेंट और सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के बैंड की गूंजती सुमधुर धुनें वातावरण में बिखरीं, तो हर दिल देशभक्ति के जज्बे से भर उठा। सुरों की उस लय ने जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया और अनायास ही कदम थिरकने लगे। इसके पश्चात नैनी झील में याट एवं रोइंग बोट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक सरिता आर्या ने कहा कि नैनीताल विंटर कार्निवाल न केवल पर्यटन को बढ़ावा देने का काम करेगा, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दौरान विधायक सरिता आर्या, चेयरमैन डॉ.सरस्वती खेतवाल, अपर जिलाधिकारी विवेक राय, उप जिलाधिकारी नाजिश खलीक, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय बिष्ट, महासचिव वेद शाह, तल्लीताल व्यापार मण्डल अध्यक्ष मारुति शाह, दया किशन पोखरिया, मनोज जोशी, गोपाल रावत गजाला कमाल, भगवत रावत, जीनू पाण्डे, पर्यटक एवम् जन समूह उपस्थित था।

क्रिसमस और नववर्ष पर सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम : एसएसपी

एसएसपी ने की मासिक अपराध समीक्षा,उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। क्रिसमस और नववर्ष के अवसर पर जनपद में कानून, शांति और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कोतवाली कुंडा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक एवं सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। बैठक में सभी थाना प्रभारी, निरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। अपराध समीक्षा के दौरान एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने लंबित विवेचनाओं पर गंभीर चर्चा की। उन्होंने सभी विवेचकों को निर्देशित किया कि मामले का नियमानुसार, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विवेचनाओं में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा और साक्ष्यों का समुचित संकलन कर अभियोजन को मजबूत बनाया जाना चाहिए। एसएसपी ने निर्देश दिए कि क्रिसमस और नववर्ष के दौरान होने वाले सभी सार्वजनिक एवं धार्मिक आयोजनों में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बैंकेट हॉल, होटल, रेस्टोरेंट, धर्मशालाओं, होमस्टे और अन्य आयोजन स्थलों का समय पर निरीक्षण करने और सभी मानकों का पालन कराने पर जोर दिया। एसएसपी ने साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया और कहा कि माहौल बिगाड़ने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने साइबर ठगी, सोशल मीडिया फ्रॉड और ऑनलाइन अपराधों की रोकथाम के लिए मॉनिटरिंग और जागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए। महिला अपराधों में तत्काल कार्रवाई और संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। घने कोहरे को देखते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए। एसएसपी ने भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप, नियमित वाहन जांच, रात्रि गश्त और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। नशा तस्करों, वांछित और इनामी अपराधियों के विरुद्ध अभियान को तेज करने और अपराध नियंत्रण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने पर बल दिया गया। सैनिक सम्मेलन के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा उठाई गई कार्य संबंधी समस्याओं को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से सुना और उनके तत्काल समाधान हेतु निर्देशित किया। बैठक के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 17 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। एसएसपी ने कहा कि इस प्रकार का सम्मान पुलिसकर्मियों के मनोबल, कर्तव्यनिष्ठा और कार्यक्षमता को और सुदृढ़ करता है।